SAMPLE CONTENT

हिंदी (LL)

व्याकरण व शब्दसंपदा

हिंदी व्याकरण के संपूर्ण अभ्यास हेतु उपयुक्त **Workbook**

बोर्ड की नई कृतिपत्रिका प्रारूप के अनुसार

चंद्रभूषण शुक्ल
B.Ed, B.M.M.- Journalism

ज्योति नाविक
M.A., B.Ed.

कक्षा नौवीं

Target Publications® Pvt. Ltd.

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे - ०४
द्वारा निर्धारित नवीन पाठ्यपुस्तक पर आधारित

हिंदी (LL)
व्याकरण व शब्दसंपदा
कक्षा नौवीं

विशेषताएँ

- नई कृतिपत्रिका प्रारूप पर आधारित
- व्याकरण विभाग के साथ ही शब्दसंपदा के सभी घटकों का समावेश
- व्याकरण व शब्दसंपदा के सभी घटकों का विस्तृत सरल भाषा में विवेचन
- व्याकरण व शब्दसंपदा के सभी घटकों का अधिकाधिक स्वाध्याय
- पुनरावर्तन हेतु व्याकरण व शब्दसंपदा पर आधारित प्रश्नपत्रों का समावेश
- स्वयं मूल्यांकन हेतु प्रत्येक स्वाध्याय व प्रश्नपत्र के उत्तरों का समावेश
- उत्तर लिखने हेतु पर्याप्त जगह
- ज्ञानवर्धन हेतु 'यह भी जानें' व 'इंटरनेट-कनेक्ट' के माध्यम से दिशानिर्देश
- कृतिपत्रिका प्रारूप के भाषा अध्ययन विभाग का संक्षिप्त व विस्तारित विवेचन

Sample Content

Printed at: **India Printing Works,** Mumbai

© *Target Publications Pvt. Ltd.*
No part of this book may be reproduced or transmitted in any form or by any means, C.D. ROM/Audio Video Cassettes or electronic, mechanical including photocopying; recording or by any information storage and retrieval system without permission in writing from the Publisher.

Balbharati Registration No.: 2018MH0022

TEID: 1996

P.O. No. 2000

प्रस्तावना

प्यारे विद्यार्थियों!

शिक्षा के इस नए पड़ाव पर आप सभी का हार्दिक स्वागत है। शैक्षणिक वर्ष की इस नई शुरुआत के साथ ही आप सभी के मन में संभावित भविष्य को लेकर चिंता व चिंतन का बढ़ना स्वाभाविक है। खासकर जब बात हिंदी व्याकरण की होती है, तो चिंता बढ़ ही जाती है। विद्यार्थियों की इसी चिंता को दूर करने के लिए टार्गेट पब्लिकेशंस द्वारा **हिंदी (LL) व्याकरण व शब्दसंपदा कक्षा नौवीं** पुस्तिका का निर्माण किया गया है। इसकी सहायता से विद्यार्थी अपना व्याकरण संबंधी भय दूर कर सकेंगे।

यह सर्वविदित है कि भाषा यदि शरीर है, तो व्याकरण उसकी आत्मा है। अत: व्याकरण के बिना भाषा की सुंदरता व समृद्धि संभव नहीं है। भाषा को पूर्णतया समझने और उसका आनंद उठाने के लिए व्याकरण का ज्ञान होना अति आवश्यक है। कक्षा नौवीं में यदि व्याकरण की तैयारी उचित ढंग से की जाए, तो उसका मनचाहा परिणाम इस कक्षा के साथ ही आगे किसी भी परीक्षा में प्राप्त किया जा सकता है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों को आगामी परीक्षाओं के लिए तैयार करना इस पुस्तिका का प्रमुख उद्देश्य है।

इस पुस्तिका को दो भागों क्रमश: व्याकरण व शब्दसंपदा के रूप में विभाजित किया गया है। व्याकरण विभाग में उन सभी घटकों का समावेश किया गया है, जो कृतिपत्रिका प्रारूप में भाषा अध्ययन (व्याकरण) विभाग के अंतर्गत पूछे जाते हैं। वहीं दूसरे विभाग में शब्दसंपदा के अंतर्गत आने वाले सभी घटकों को शामिल किया गया है। इस पुस्तिका में भिन्न घटकों को बहुत ही सरलता से समझाया गया है। इसके साथ ही उन पर आधारित अधिकाधिक स्वाध्याय भी दिए गए हैं, जो कक्षा नौवीं की पाठ्यपुस्तक पर आधारित हैं। इसके अलावा विद्यार्थियों के पुनरावर्तन हेतु व्याकरण व शब्दसंपदा पर आधारित प्रश्नपत्रों का भी समावेश किया गया है। उत्तर लिखने हेतु यहाँ पर्याप्त जगह दी गई है। विद्यार्थियों के स्वयं मूल्यांकन हेतु सभी स्वाध्यायों व प्रश्नपत्रों के उत्तर भी दिए गए हैं। इस पुस्तिका के अध्ययन से विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन होने के साथ ही उनका मनोबल बढ़ना निश्चित है, जो किसी भी परीक्षा के लिए बहुत ही आवश्यक है।

शैक्षणिक वर्ष में हिंदी व्याकरण की समुचित तैयारी हेतु निर्मित इस पुस्तिका आप सभी सुधी जनों के हाथों में सौंपते हुए हमें अत्यंत हर्ष की अनुभूति हो रही है। हमें आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि यह विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए उपयोगी व ज्ञानवर्धक सिद्ध होगी और उनका सही दिशा में मार्गदर्शन करेगी।

पुस्तिका की उत्कृष्टता बढ़ाने के लिए सभी सुझाव आमंत्रित हैं। हमारा ई-मेल पता **mail@targetpublications.org** है।

उज्ज्वल भविष्य हेतु ढेरों शुभकामनाएँ!

प्रकाशक

संस्करण: प्रथम

Disclaimer

This reference book is transformative work based on 'हिंदी लोकभारती; प्रथमावृत्ति: २०१७, तीसरा पुनर्मुद्रण: २०२०' published by the Maharashtra State Bureau of Textbook Production and Curriculum Research, Pune. We the publishers are making this reference book which constitutes as fair use of textual contents which are transformed by adding and elaborating, with a view to simplify the same to enable the students to understand, memorize and reproduce the same in examinations.

This work is purely inspired upon the course work as prescribed by the Maharashtra State Bureau of Textbook Production and Curriculum Research, Pune. Every care has been taken in the publication of this reference book by the Authors while creating the contents. The Authors and the Publishers shall not be responsible for any loss or damages caused to any person on account of errors or omissions which might have crept in or disagreement of any third party on the point of view expressed in the reference book.

© reserved with the Publisher for all the contents created by our Authors.

No copyright is claimed in the textual contents which are presented as part of fair dealing with a view to provide best supplementary study material for the benefit of students.

Sample Content

अनुक्रमणिका

क्र.	पाठ का नाम	पृष्ठ
	व्याकरण	
	कृतिपत्रिका का प्रारूप	१
	कृतिपत्रिका प्रारूप का विस्तारित विवेचन	
१.	शब्दभेद	२
२.	अव्यय	७
३.	संधि	११
४.	क्रिया	१९
५.	मुहावरे	२६
	व्याकरण प्रश्नपत्र – १	३०
६.	कहावतें	३२
७.	कारक	३४
८.	विरामचिह्न	३८
९.	काल	४४
१०.	वाक्य के प्रकार	४८
११.	वाक्य शुद्धीकरण	५३
	व्याकरण प्रश्नपत्र – २	५७
	शब्दसंपदा	
१२.	समानार्थी (पर्यायवाची) शब्द	६०
१३.	विरुद्धार्थी (विलोम) शब्द	६३
१४.	उपसर्ग	६७
१५.	प्रत्यय	७०
१६.	लिंग	७३
१७.	वचन	७७
	शब्दसंपदा प्रश्नपत्र – १	८१
१८.	शब्द-युग्म	८३
१९.	समरूप भिन्नार्थक शब्द	८६
२०.	तत्सम/तद्भव/देशी-विदेशी	८९
२१.	अनेक शब्दों के लिए एक शब्द	९२
२२.	अनेकार्थी शब्द	९४
	शब्दसंपदा प्रश्नपत्र – २	९७
	उत्तर (स्वाध्याय)	९९
	उत्तर (प्रश्नपत्र)	
	व्याकरण प्रश्नपत्र – १	१०७
	व्याकरण प्रश्नपत्र – २	
	शब्दसंपदा प्रश्नपत्र – १	१०८
	शब्दसंपदा प्रश्नपत्र – २	

Sample Content

व्याकरण

SampleContent

कृतिपत्रिका का प्रारूप – विभाग ४ - भाषा अध्ययन (व्याकरण)

प्र.४ सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: १४ अंक

१. शब्दभेद– संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण पहचानना (१ घटक, १ अंक) १ अंक
२. दो अव्यय शब्दों में से किसी एक शब्द का वाक्य में प्रयोग करना (१ घटक, १ अंक) १ अंक
३. संधि (दो में से कोई एक पहचानना, विच्छेद करना, संधि शब्द बनाना) (२ घटक, प्रत्येक के लिए १/२ अंक) १ अंक
४. दो में से कोई एक सहायक क्रिया पहचानना तथा उसका मूल रूप लिखना (२ घटक, प्रत्येक के लिए १/२ अंक) १ अंक
५. दो में से किसी एक प्रेरणार्थक क्रिया का प्रथम तथा द्वितीय रूप लिखना (२ घटक, प्रत्येक के लिए १/२ अंक) १ अंक
६. मुहावरे का चयन अथवा मुहावरे का अर्थ और वाक्य में प्रयोग करना १ अंक
७. कारक– पहचानना और भेद लिखना (२ घटक, प्रत्येक के लिए १/२ अंक) १ अंक
८. विरामचिह्न– वाक्य में प्रयोग (२ घटक, प्रत्येक के लिए १/२ अंक) १ अंक
९. तीन में से दो वाक्यों का काल परिवर्तन (२ घटक, प्रत्येक के लिए १ अंक) २ अंक
१०. वाक्य के भेद २ अंक
   i. रचना के आधार पर वाक्य का भेद पहचानना (१ घटक, १ अंक)
   ii. अर्थ के आधार पर वाक्य परिवर्तन करना (१ घटक, १ अंक)
११. वाक्य शुद्ध करना (४ घटक, प्रत्येक के लिए १/२ अंक, दो वाक्य, प्रत्येक वाक्य दो अशुद्धियाँ) २ अंक

[महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळ, पुणे-०४]

कृतिपत्रिका प्रारूप का विस्तारित विवेचन – विभाग ४ - भाषा अध्ययन (व्याकरण)

प्र.४ सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए: १४ अंक

बोर्ड की कृतिपत्रिका में **प्र. ४** व्याकरण की कृतियों पर आधारित होगा, जो **कुल १४ अंकों** के लिए पूछा जाएगा। यहाँ पाँचवीं कक्षा से नौवीं कक्षा तक के व्याकरण का भी समावेश किया जाएगा।

- व्याकरण पर आधारित यहाँ पर कृतियाँ पूछी जाएँगी, जिनके विवरण निम्नलिखित हैं:

१ - शब्दभेद:- यहाँ संज्ञा, सर्वनाम व विशेषण का **पहचानना** होगा। **१ अंक**

२ - अव्यय:- यहाँ अव्यय का **वाक्य में प्रयोग करना** होगा। यहाँ विकल्प होगा। **१ अंक**

३ - संधि:- यहाँ संधि **शब्द बनाना**, उसका **विच्छेद करना** और उसका **भेद लिखना** होगा। यहाँ विकल्प होगा। **१ अंक**

४ - सहायक क्रिया:- यहाँ सहायक क्रिया **पहचानकर** उसका मूल रूप लिखना होगा। यहाँ विकल्प होगा। **१ अंक**

५ - प्रेरणार्थक क्रिया:- यहाँ क्रिया का **प्रथम** व **द्वितीय** प्रेरणार्थक रूप लिखना होगा। यहाँ विकल्प होगा। **१ अंक**

६ - मुहावरे:- यहाँ मुहावरे का **अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग** अथवा **वाक्यांश में उचित मुहावरे का प्रयोग** करना होगा। **१ अंक**

७ - कारक:- यहाँ कारक **पहचानकर** उसका **भेद** लिखना होगा। **१ अंक**

८ - विरामचिह्न:- यहाँ वाक्य में उचित विरामचिह्नों का **प्रयोग** करना होगा। **१ अंक**

९ - काल:- यहाँ निर्देश के अनुसार **काल परिवर्तन** करना होगा। यहाँ विकल्प होगा। **२ अंक**

१० - वाक्य-भेद:- यहाँ **रचना** व **अर्थ** के अनुसार क्रमश: वाक्य का **भेद लिखना** व **परिवर्तन करना** होगा। **२ अंक**

११ - वाक्य शुद्धीकरण:- यहाँ वाक्यों में दी गई गलतियों को **सुधारकर** लिखना होगा। **२ अंक**

Sample Content

१ शब्दभेद

वर्णमाला की सबसे छोटी इकाई को ध्वनि कहते हैं। ध्वनि से ही शब्दों का निर्माण होता है। कुछ शब्द सार्थक होते हैं, तो कुछ निरर्थक होते हैं। प्रयोग के आधार पर शब्द के दो मुख्य भेद बताए गए हैं, जिनमें सव्यय (विकारी शब्द) और अव्यय (अविकारी शब्द) का समावेश होता है।

शब्दभेद

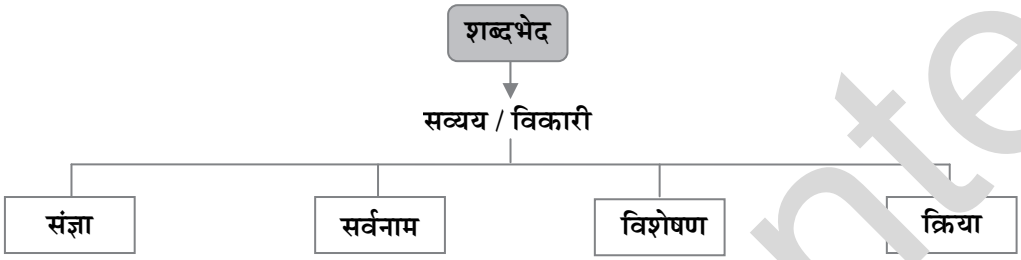

सव्यय / विकारी

संज्ञा | **सर्वनाम** | **विशेषण** | **क्रिया**

सव्यय: जिस शब्द के रूप में लिंग, वचन और कारक के द्वारा परिवर्तन होता है अर्थात उसका रूप बदलता रहता है, उसे सव्यय कहते हैं। इसे विकारी शब्द भी कहा जाता है। उदाहरण के रूप में लड़का, कपड़ा, बच्चा, गेंद इत्यादि।

सव्यय (विकारी शब्द) के भेद

१ **संज्ञा:** किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को 'संज्ञा' कहते हैं। उदाहरण के तौर पर हिंदुस्तान, सैनिक, किताब, गुच्छा, पंखा इत्यादि।

संज्ञा के भेद

i. व्यक्तिवाचक संज्ञा
ii. जातिवाचक संज्ञा
iii. भाववाचक संज्ञा
iv. द्रव्यवाचक संज्ञा
v. समूहवाचक संज्ञा

व्यक्तिवाचक संज्ञा

जिस संज्ञा से किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान के नाम का बोध होता है, उसे 'व्यक्तिवाचक संज्ञा' कहते हैं। **व्यक्तिवाचक संज्ञा** : सोनिया, राम, हिमालय, वाराणसी, हिंदुस्तान, रूस, गंगा, जमुना इत्यादि।

उदाहरण:
- गणेश घर जा रहा है।
- ईरान पर हमला हो गया है।
- हम ताजमहल देखने जा रहे हैं।
- राजू अच्छा लड़का है।

जातिवाचक संज्ञा

जिस संज्ञा से किसी एक जाति अथवा वर्ग के सभी प्राणियों व वस्तुओं का बोध होता है, उसे 'जातिवाचक संज्ञा' कहते हैं। **जातिवाचक संज्ञा** : नदी, मकान, इमारत, पुस्तक, कलम, मेज, पशु, पक्षी इत्यादि।

उदाहरण:
- इमारत को खाली किया जा रहा है।
- घर टूट गया है।
- नदी कलकल करती बहती है।
- मेज बहुत मजबूत है।

भाववाचक संज्ञा

जिस संज्ञा से किसी व्यक्ति, वस्तु अथवा स्थान के गुण, दोष, स्वभाव, धर्म आदि का बोध होता है, उसे 'भाववाचक संज्ञा' कहते हैं। **भाववाचक संज्ञा** : मानवता, लड़कपन, दासत्व, अपनत्व, अध्यापन इत्यादि।

उदाहरण:
- किसी से शत्रुता नहीं करनी चाहिए।
- बचपन में सभी शरारत करते हैं।
- सुमन ने रानी से मित्रता कर ली।
- मानवता श्रेष्ठ धर्म है।

Sample Content

संख्यावाचक विशेषण

वह शब्द जो संज्ञा या सर्वनाम की संख्या से संबंधित विशेषता का बोध कराता है, उसे 'संख्यावाचक विशेषण' कहते हैं।

संख्यावाचक विशेषण : चार बच्चे, कुछ मकान इत्यादि।

संख्यावाचक विशेषण के दो भेद हैं:

क. निश्चित संख्यावाचक विशेषण: जिस शब्द से निश्चित संख्या का बोध हो, उसे 'निश्चित संख्यावाचक विशेषण' कहते हैं।
निश्चित संख्यावाचक विशेषण : तीन बच्चे, सात किले, नौ रातें, ग्यारह देश इत्यादि।

उदाहरण:
- विजया ने ग्यारह दीपक खरीदे।
- राधा सात दिन तक व्रत रखेगी।

ख. अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण: जिस शब्द से अनिश्चित संख्या का बोध हो, उसे 'अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण' कहते हैं।
अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण : कुछ बच्चे, अनेक स्तंभ, कई कलमें इत्यादि।

उदाहरण:
- कुछ कुर्सियाँ टूट गई हैं।
- कई आम सड़ गए हैं।

सार्वनामिक विशेषण

वह सर्वनाम शब्द जो किसी संज्ञा से पहले आकर उसकी विशेषता बताता है, उसे 'सार्वनामिक विशेषण' कहते हैं।

सार्वनामिक विशेषण : यह, वह, इस, उस, इसकी, उसकी, मेरी इत्यादि।

उदाहरण:
- यह घर राम का है।
- वह स्थान सुंदर है।
- इस देश में कई धर्म के लोग रहते हैं।
- उस इमारत में रोशन रहता है।

यह भी जानें

सर्वनाम और सार्वनामिक विशेषण को पहचानने के लिए नीचे दिए गए सूत्र को ध्यान में रखें:

सर्वनाम + संज्ञा → सार्वनामिक विशेषण
(विशेषण) (विशेष्य)

यहाँ सर्वनाम विशेषण के रूप में और संज्ञा विशेष्य के रूप में होती है।

	सार्वनामिक विशेषण	सर्वनाम
१.	यह घर मेरा है।	यह मेरा घर है।
२.	वह पुस्तक मेरी है।	वह मेरी पुस्तक है।

उपर्युक्त सार्वनामिक विशेषण उदाहरणों पर यदि ध्यान दें तो पता चलता है कि यहाँ 'यह' व 'वह' क्रमशः किसी विशेष 'घर' व 'पुस्तक' के बारे में निश्चित कर रहे हैं। इसके साथ ही इनके तुरंत बाद संज्ञा अर्थात 'घर' व 'पुस्तक' विशेष्य के रूप में मौजूद हैं। अतः ये सार्वनामिक विशेषण होंगे। इसके अलावा सर्वनाम के उदाहरणों को देखें तो पता चलता है कि यहाँ 'यह' व 'वह' क्रमशः किसी निश्चित 'घर' अथवा 'पुस्तक' के बारे में बता रहे हैं। अतः ये सर्वनाम ही होंगे।

निर्देश: क्रियाओं को अगले पाठ में विस्तृत रूप से समझाया गया है।

स्वाध्याय

निम्नलिखित वाक्यों में से संज्ञा शब्द ढूँढ़कर लिखिए:

१. मेरा नौकर बहुत होशियार है। – ----------
२. यह किसी खेत से आया है। – ----------
३. किताबें झाँकती हैं। – ----------
४. जो रिश्ते वह सुनाती थी। – ----------
५. सिर्फ कोल्या को घुमाने ले गई हो। – ----------

Sample Content

२. निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम शब्द ढूँढ़कर लिखिए:

१. मुझे बुलाया था मालिक? – ------------------------------

२. वह उधर चला गया। – ------------------------------

३. मैं अब इनकी इच्छा से ही वापस आ सकता हूँ। – ------------------------------

४. हमें भी विश्राम स्थल की ओर बढ़ना था। – ------------------------------

५. महीने में तुम्हें कितने घरों से पैसे मिल जाते हैं? – ------------------------------

३. निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण शब्द ढूँढ़कर लिखिए:

१. अम्मी अच्छी नहीं हैं न! – ------------------

२. एक विद्यार्थी प्रवास कर [illegible] है। – ------------------

३. वह संस्था हिंदी का प्रचार करेगी। – ------------------

४. लंबी लाठी मेरे घर में [illegible] थी। ------------------

५. शहीद सैनिकों की यह देन है। – ------------------

४. रेखांकित शब्दों के भेद लिखिए:

१. यह बिल्ली खाने में भी कम नहीं। – ------------------------------

२. विश्वास ही इस प्रेम की कुंजी है। – ------------------------------

३. कुछ महीने पहले डॉक्टर भटनागर लापता हो गए। – ------------------------------

४. जैन मंदिर के सामने ही बड़े से गेट में विजय स्तंभ है। – ------------------------------

५. वे भी हम पर झूठा आरोप लगा सक[illegible]। – ------------------------------

५. रेखांकित शब्दों के भेद लिखिए:

१. यह निर्माण का युग है। – ------------------------------

२. संसार विकार का साग[illegible]। – ------------------------------

३. अणिमा जोशी [illegible] उसे टाल[illegible] बुरा [illegible]। – ------------------------------

४. लेखक ने पड़ो[illegible]दीनदयाल को पुकारा। – ------------------------------

५. न[illegible]ी छा[illegible] ब[illegible] सुंदर है। – ------------------------------

६. [illegible]ब्दों के भेद लिखिए:

[illegible] तुम[illegible] उसे जाने क्यों दिया? – ------------------------------

[illegible]तू ने फिर वही रट लगाई। – ------------------------------

३. लड़ाई कितने दिन चलेगी। – ------------------------------

४. वे कैनवास पर हरियाली के चित्र बनाते। – ------------------------------

५. मैं क्या झूठ बोल रहा हूँ। – ------------------------------

व्याकरण प्रश्नपत्र – २

कुल अंक – २०

सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

१. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त कारक चिह्न पहचानकर उनके भेद लिखिए: (४)

१. चौकीदार ने सलाम किया। – ----------

२. भूतल पर एक म्यूजियम बनाया गया है। – ----------

३. अरे! इसे ले जाओ। – ----------

४. रामपोल किले का मुख्य प्रवेश द्वार है। – ----------

२. निम्नलिखित वाक्यों में यथास्थान उचित विरामचिह्नों का प्रयोग करके वाक्यों को फिर से लिखिए: (४)

१. अभी अभी लौटा हूँ साहब

उत्तर: ----------

२. सेल्फ सर्विस जैसा रुचे, जितना रुचे, लीजिए, खाइए और दाद उठाइए।

उत्तर: ----------

३. मांडव्यपुर का ही अपभ्रंश रूप 'मंडोर' है

उत्तर: ----------

४. दृष्टि किसी भी चित्र पर चिपकाई जाती है

उत्तर: ----------

३. निम्नलिखित वाक्यों का उचित क्रम में दी गई सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए: (४)

१. रेफ्रीजरेटर का विज्ञापन हुआ। (अपूर्ण भूत काल)

उत्तर: ----------

२. गुस्से के मारे वे पहले दिन नहीं आए थे। (सामान्य भविष्य काल)

उत्तर: ----------

३. आश्रम के नियमों का पालन किया है। (सामान्य भूत काल)

उत्तर: ----------

४. कुछ एक संबंधी इकट्ठे हो गए। (अपूर्ण वर्तमान काल)

उत्तर: ----------

४. i. निम्नलिखित वाक्यों के रचना के आधार पर भेद लिखिए: (२)

१. बड़े से गेट में विजय स्तंभ है, जो महाराणा कुंभा ने बनवाया है। – ----------

Sample Content

शब्दसंपदा

Sample Content

१२ समानार्थी (पर्यायवाची) शब्द

समानार्थी शब्द: वे शब्द जो समान अर्थ प्रकट करते हैं, उन्हें समानार्थी शब्द कहते हैं। समानार्थी शब्दों को पर्यायवाची श[illegible] भी कहा जाता है।

उदाहरण: • सूर्य – रवि • धरती – धरा • नदी – सरिता • पानी – [illegible]

उपरोक्त शब्दों के जोड़े समान अर्थ प्रकट कर रहे हैं। अत: ये सभी शब्द समानार्थी (पर्यायवाची) शब्द कहलाएँगे।

नीचे दी गई समानार्थी (पर्यायवाची) शब्दों की सूची को ध्यान से पढ़िए:

शब्द	समानार्थी (पर्यायवाची) शब्द
अंक	संख्या, गिनती, क्रमांक
अग्नि	पावक, अनल, आग
अमृत	सुधा, सोम, पियूष, सुरभोग
अश्व	घोड़ा, बाजि, तुरंग, हय
अतिथि	मेहमान, पहुना, आगंतुक
अनाज	अन्न, धान्य, खाद्यान्न
अरण्य	जंगल, कानन, वन, विपिन
अहंकार	घमंड, दंभ, दर्प, अभिमान
आँख	नेत्र, नैन, लोचन, दृग, चक्षु
आँसू	अश्रु, स्वेद, नेत्रनीर
आकाश	आसमान, गगन, [illegible]भ, व्यो[illegible] [illegible]र
आदेश	हुक्म, आ[illegible]
आराधना	पूजा [illegible] व[illegible]
इंदु	[illegible]मा, चाँद, [illegible]दा
इंद्र	सु[illegible] देवरा[illegible] महेंद्र [illegible]रंदर, सुरेश
इंसान	म[illegible], मा[illegible] आदमी
इच्छा	ला[illegible], कामना, चाह, [illegible]नोरथ, आकांक्षा
इनाम	पा[illegible]तोषिक, पुरस्कार, उपहार
उद्य[illegible]	बाग, बगीचा, वाटिका, उपवन
उ[illegible]ति	प्रगति, विकास, उत्कर्ष, उत्थान
उपका[illegible]	भलाई, नेकी, परोपकार
[illegible]ांत	सुनसान, निर्जन, सूना
एक[illegible]क	अचानक, सहसा, एकदम, अकस्मात
[illegible]ोस	तुषार, हिमकण, हिमसीकर
ओंठ	होंठ, अधर, ओष्ठ, लब
कपड़ा	अंबर, चीर, वस्त्र, पट, पोशाक
कमल	जलज, नीरज, पंकज, सरोज, राजीव
कर्ज	ऋण, उधार, देनदारी
कलश	घट, घड़ा, गागर, गगरी, मटका, कुंभ

शब्द	समानार्थी (पर्यायवाची) शब्द
किताब	[illegible]ी, ग्रंथ, [illegible]क
किनारा	तट, [illegible]र, कूल
किरण	ज्योति, प्रभा, रश्मि
किरीट	ताज, मुकुट
[illegible]षक	किसान, हलधर, भूमिपुत्र
खग	चिड़िया, पक्षी, पंछी, पखेरु, विहंग
गज	हाथी, हस्ती, मतंग
गंगा	देवनदी, मंदाकिनी, भगीरथी, देवपगा
गाय	गौ, धेनु, गऊ
गीला	भीगा, आर्द्र, नम
घर	सदन, मकान, गृह, बसेरा, धाम
छल	दगा, फरेब, ठगी, छलावा
छात्र	विद्यार्थी, शिक्षार्थी, शिष्य
छाया	छाँव, साया, प्रतिबिंब, परछाई
जननी	माता, माँ, माई, जन्मदात्री, मैया
झंडा	ध्वज, फरहरा, पताका, निशान
ठेस	आघात, चोट, ठोकर
डर	भय, दहशत, आतंक, खौफ
तन	काया, शरीर, जिस्म, देह
तमाम	सारा, पूर्ण, पूरा
तलवार	असि, खड्ग, कृपाण
दर्द	वेदना, पीड़ा, कष्ट
दास	सेवक, नौकर, चाकर, परिचारक
दूध	दुग्ध, क्षीर, पय
धरती	पृथ्वी, धरणी, वसुधा, वसुंधरा, अवनी, धरा
ध्वनि	स्वर, आवाज, आहट
नदी	सरिता, तरंगिणी, तटिनी
नाव	नौका, तरिणी, जलयान
पत्नी	भार्या, दारा, जोरू, वामांगिनी

Sample Content

शब्द	समानार्थी (पर्यायवाची) शब्द
पथिक	राही, राहगीर, बटोही, पंथी, मुसाफिर
पल्लव	पत्ती, पात, पर्ण
पवन	हवा, समीर, अनिल, पवमान, मारुत
पवित्र	पावन, पुनीत, शुद्ध
पहाड़	गिरि, पर्वत, भूधर, अचल
प्रलय	कयामत, विप्लव
प्रसिद्ध	प्रख्यात, विख्यात, बहुचर्चित, मशहूर
पुत्र	बेटा, तनय, सुत
पेड़	तरु, पादप, विटप, वृक्ष
फूल	कुसुम, सुमन, पुष्प
बंदर	वानर, मर्कट, कपि, हरि
बादल	मेघ, घन, जलधर, जलद, अंबुद, नीरद

शब्द	समानार्थी (पर्यायवाची) शब्द
बेटी	तनया, सुता, आत्मजा, तनुजा
मृत्यु	देहावसन, देहांत, मौत, निधन
युद्ध	जंग, संग्राम, रण, समर, लड़ाई
रक्त	खून, लहू, रुधिर
रवि	सूर्य, सूरज, भास्कर, आदित्य, भानु, दिवाकर
रात	रात्रि, रजनी, निशा, विभावरी, य[illegible]ना
लक्ष्मी	कमला, रमा, पद्मा
समुद्र	सागर, रत्नाकर, उदधि, [illegible], [illegible]धि, [illegible]धि
सुकून	शांति, [illegible]न
साँप	[illegible]र्फ, [illegible]
स्वर्ण	[illegible]ना, सु[illegible] [illegible]क
हिरन	[illegible], हरिण

स्वाध्याय

१. समानार्थी शब्दों की जोड़ियाँ मिलाइए:

क्रमांक	शब्द	उत्तर	समानार्थी शब्द
१.	अनाज	-------------------	वेदना
२.	उपकार	-------------------	रश्मि
३.	अ[illegible]ा	-------------------	मकान
४.	कम[illegible]	-------------------	दगा
५.	घर	-------------------	आज्ञा
६.	छल	-------------------	पंकज
७.	किरण	-------------------	अन्न
८.	दर्द	-------------------	परोपकार

Sample Content

शब्दसंपदा प्रश्नपत्र – १

कुल अंक – २०

सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

१. i. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के समानार्थी शब्द लिखकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए: **(२)**

१. ------------------ अपना फल स्वयं नहीं खाते हैं। (तरु)

२. इस बगिया में कई प्रकार के ------------------ हैं। (फूल)

ii. कोष्ठक में से समानार्थी शब्दों की जोड़ियाँ ढूँढ़कर लिखिए: **(२)**

(पथिक, गिरि, राही, रवि, पर्वत, सागर, सूर्य, रत्नाकर)

१. ---------------- – ----------------   २. ---------------- – ----------------

३. ---------------- – ----------------   ४. ---------------- – ----------------

२. i. कोष्ठक में से विलोम शब्दों की जोड़ियाँ ढूँढ़कर लिखिए: **(२)**

(लिखित, शकुन, मौखिक, शाप, अपशकुन, हानि, वरदान, लाभ)

१. ---------------- × ----------------   २. ---------------- × ----------------

३. ---------------- × ----------------   ४. ---------------- × ----------------

ii. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द लिखकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए: **(२)**

१. राहुल आर्थिक रूप से ------------------ है। (विपन्न)

२. दादा जी कहते हैं कि सदैव ------------------ करनी चाहिए। (कुसंगति)

३. i. निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग पहचानकर लिखिए: **(२)**

१. परिभ्रमण – ------------------   २. आघात – ------------------

३. बदकिस्मत – ------------------   ४. आत्मचरित्र – ------------------

ii. उचित उपसर्ग जोड़कर नए शब्द बनाइए: **(२)**

१. ---- + दर्द = ------------------------

२. ---- + जिम्मेदार = ------------------------

४. i. निम्नलिखित शब्दों में से प्रत्यय अलग करके लिखिए: **(२)**

१. पारिवारिक – ------------------   २. खेलनेवाला – ------------------

३. सुंदरता – ------------------   ४. जहरीला – ------------------

Sample Content

उत्तर (स्वाध्याय)

व्याकरण

१. शब्दभेद

१.

१. नौकर २. खेत ३. किताबें
४. रिश्ते ५. कोल्या

२.

१. मुझे २. वह ३. मैं
४. हमें ५. तुम्हें

३.

१. अच्छी २. एक ३. वह
४. लंबी ५. शहीद

४.

१. विशेषण २ संज्ञा ३. संज्ञा
४. विशेषण ५. सर्वनाम

५.

१. सर्वनाम २. संज्ञा ३. सर्वनाम
४. संज्ञा ५. विशेषण

६.

१. सर्वनाम २. संज्ञा ३. स[illegible]
४. संज्ञा ५. विशेषण

२. अव्य[illegible]

१.

१. कि – समुच्चय[illegible]धक [illegible]व्यय
२. धीरे-से –क्रि[illegible]शेष अव्[illegible]
३. औ[illegible] [illegible]च्चयब[illegible] अव्यय
४. के[illegible] कोने [illegible] स[illegible]चक अव्यय
५. नहीं – [illegible]क्रिया[illegible]शेषण अव्यय
६ [illegible] जी! – विस्मयादिबोधक अव्यय
७. के [illegible]ामने – संबंधसूचक अव्यय
[illegible] [illegible] – समुच्चयबोधक अव्यय

२.

१. सुबह – क्रियाविशेषण अव्यय
२. तो – समुच्चयबोधक अव्यय
३. इसलिए – समुच्चयबोधक अव्यय
४. वहाँ – क्रियाविशेषण अव्यय
५. के बाद – संबंधसूचक अव्यय
६. अरे! – विस्मयादिबोधक अव्यय
७. के लिए – संबंधसूचक अव्यय
८. आज – क्रियाविशेषण अव्यय

३.

१. अर्जुन के बदले गणेश ब[illegible]र गया [illegible]।
२. सीता बड़ी है इसलिए वह [illegible] पजा [illegible]ी।
३. वाह! यह तो बहुत सं[illegible]ज़ारा [illegible]
४. गाड़ी धीरे-धीरे च[illegible]ने लगी।
५. राजीव यहाँ बैठ ग[illegible]
६. करण [illegible] पास [illegible] है।
७ अहा! [illegible]कितनी स्वा[illegible] लस्सी है।
८. सीता औ[illegible] [illegible]नों आ रही हैं।

४.

सचमु[illegible]! यह घर तो बहुत बड़ा है।
२. [illegible]लाब की ओर राजू का बसेरा था।
३. आज रामायण की शुरुआत होगी।
४. अणिमा यह पहले कर चुकी है।
५. ओह! मुझसे गलती हो गई।
६. आम नीचे गिर गया।
७. जंगल के पीछे तालाब था।
८. सफलता की खातिर रमेश बहुत मेहनत कर रहा है।

५.

१. बंगले के बगल मंदिर का बड़ा दरवाजा है।
२. वाह! तुमने तो कमाल कर दिया।
३. अनामिका तथा अवनीश शादी कर रहे हैं।
४. छत के ऊपर कबूतर का जोड़ा बैठा है।
५. घायल सैनिक गिरते-पड़ते घर पहुँचा।
६. लक्ष्मण आस-पास रहते थे।
७. गजगामिनी प्रतिदिन व्यायाम करती है।
८. हाय! कैसी विपत्ति आ गई है?

६.

१ अरे! तुम यहाँ कहा चले आ रहे हो?
२. घर के भीतर आपका प्रवेश वर्जित है।
३. धत! वह तो बहुत गंदा है।
४. नहाने से पहले उबटन लगाना है।

Sample Content

उत्तर (प्रश्नपत्र)

व्याकरण प्रश्नपत्र – १

१.

१. वे – सर्वनाम २. दिल्ली – संज्ञा

३. मैं – सर्वनाम ४. एक – विशेषण

२.

१. सचमुच! राममंदिर की भव्यता आश्चर्यचकित कर देने वाली है।

२. घर के पीछे आम का पेड़ है।

३. सीता एवं नरेश वृंदावन जा रहे हैं।

४. बृजेश आज आ रहा है।

३.

१. वि + आयाम, स्वर संधि

२. यशोगान – विसर्ग संधि

३. द्रष् + ता – व्यंजन संधि

४. निष्काम, विसर्ग संधि

४.

१. आए – आना २ ...ा – ...ना

३. चुकी – चुकना . पड़े... – पड़ना

५.

i.

१. **सिर चढ़ जा...** – उद्दंड... के लिए खुली छूट देना।

वाक्य: माँ ... आ... प्यार ... कारण राजू सिर चढ़ गया है।

२. **घोड़े ...चकर सोना** – निश्चिंत होकर सोना।

...य: ...मोल अपने सारे काम पूरे कर घोड़े बेचकर सो रहा थ...

ii.

१. दंगे के बाद जब भाई के सुरक्षित होने की खबर मिली तब रमा ने चैन की साँस ली।

२. वरुण को रास्ते में एक सोने का सिक्का हाथ लगा।

व्याकरण प्रश्नपत्र – २

१.

१. ने – कर्ता कारक

२. पर – अधिकरण कारक

३. अरे! – संबोधन कारक

४. का – संबंध कारक

२.

१. अभी-अभी लौट... साहब।

२. सेल्फ सर्वि... जैसा ...े जितना रुचे, लीजिए, खाइए, आनं... उठाइए।

... 'मांडव्...' का ह... अपभ्रंश रूप 'मंडोर' है।

४. दृष्टि ...सी भी चित्र पर चिपक-सी जाती थी।

...

१. रेफ्रीजरेटर का विज्ञापन हो रहा था।

२. गुस्से के मारे वे पहले दिन नहीं आएँगे।

३. आश्रम के नियमों का पालन किया।

४. कुछ एक संबंधी इकट्ठे हो रहे हैं।

४.

i.

१. मिश्र वाक्य २. संयुक्त वाक्य

ii.

१. मैं रातभर ऊहापोह में नहीं रहा।

२. सब गाड़ियों की ओर चल पड़ो।

५.

१. पहली जनवरी को तुमने चाय की प्लेट और प्याली तोड़ी थी।

२. हर गवर्नेस को तीस रूबल महीना ही देता हूँ।

३. दोनों ही भक्त थे।

४. वह भविष्य का क्रांतदर्शी नहीं बन सकता।

Sample Content

AVAILABLE NOTES FOR STD. IX:

Eng. Med.

- English Kumarbharati
- मराठी अक्षरभारती
- हिंदी लोकभारती
- हिंदी लोकवाणी
- आमोद: सम्पूर्ण-संस्कृतम्
- आनन्द: संयुक्त-संस्कृतम्
- History and Political Science
- Geography
- Mathematics (Part - I)
- Mathematics (Part - II)
- Science and Technology

Mar. Med.

- My English Coursebook
- मराठी कुमारभारती
- हिंदी लोकभारती
- हिंदी लोकवाणी
- आमोद: सम्पूर्ण-संस्कृतम्
- आनन्द: संयुक्त-संस्कृतम्
- इतिहास व राज्यशास्त्र
- भूगोल
- गणित (भाग - I)
- गणित (भाग - II)
- विज्ञान आणि तंत्रज्ञान

Additional Book:

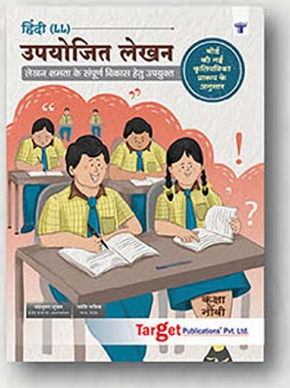

The ultimate guide to help you develop robust skills & excel in various topics of Writing Skills for the subject of Hindi

AVAILABLE NOTES FOR STD. X:

Eng. Med.
PERFECT SERIES

- English Kumarbharati
- मराठी अक्षरभारती
- हिंदी लोकभारती
- हिंदी लोकवाणी
- आमोद: सम्पूर्ण-संस्कृतम्
- आनन्द: संयुक्त-संस्कृतम्
- History and Political Science
- Geography
- Mathematics (Part - I)
- Mathematics (Part - II)
- Science and Technology (Part - 1)
- Science and Technology (Part - 2)

Eng. Med.
PRECISE SERIES

- English Kumarbharati
- मराठी अक्षरभारती
- हिंदी लोकभारती
- History, Political Science and Geography
- Science and Technology (Part - 1)
- Science and Technology (Part - 2)

Mar. Med.
PRECISE SERIES

- My English Coursebook
- मराठी कुमारभारती
- हिंदी लोकभारती
- हिंदी लोकवाणी
- आमोद: सम्पूर्ण-संस्कृतम्
- आनन्द: संयुक्त-संस्कृतम्
- इतिहास व राज्यशास्त्र
- भूगोल
- गणित (भाग - I)
- गणित (भाग - II)
- विज्ञान आणि तंत्रज्ञान (भाग - १)
- विज्ञान आणि तंत्रज्ञान (भाग - २)

OUR PRODUCT RANGE

Children Books | School Section | Junior College
Degree College | Entrance Exams | Statponery

Target Publications® Pvt. Ltd.

Address:
2nd floor, Aroto Industrial Premises CHS,
Above Surya Eye Hospital, 63-A, P. K. Road,
Mulund (W), Mumbai 400 080
Tel: 88799 39712 / 13 / 14 / 15
Website: www.targetpublications.org
Email: mail@targetpublications.org

Explore our range of STATIONERY

BUY NOW